HINDI

एम.ए. (हिन्दी) पाठ्यक्रम

प्रथम वर्ष

पहला-सत्र सेमेस्टर I

प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा इसमें 70 अंक सत्रांत परीक्षा व 30 अंक आंतरिक मूल्यांकन का होगा।

MHIN 102 CC-1 अनिवार्य पत्र

क्रेडिट : 5

दीर्घ उत्तरीय/व्याख्यात्मक - 3x10=30
लघु उत्तरीय - 4x5=20
वस्तुनिष्ठ - 10x2=20
70

भाषा व लिपि: उद्‌भव एवं विकास

भाषा : परिभाषा, तत्त्व/अंग, अभिलक्षण

भाषा विज्ञान: परिभाषा एवं स्वरूप, प्रमुख अध्ययन पद्धतियाँ, अध्ययन की दिशाएँ

भाषोत्पत्ति के सिद्धांत, भाषा-परिवर्तन के कारण

ध्वनि परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ

अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ

लिपि का इतिहास, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता, मानकीकरण

हिन्दी भाषा की उद्‌भव ~~[illegible]~~ अपभ्रंश, अवहट्ठ, पुरानी हिन्दी

हिन्दी भाषा का विकास: अवधी, ब्रज एवं खड़ी बोली का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास

खड़ी बोली हिन्दी के साहित्यिक रूपों का विकास : दक्खनी, उर्दू और हिन्दी

19वीं सदी का हिन्दी आंदोलन और हिन्दी भाषा के स्वरूप का प्रश्न

हिन्दी का मानकीकरण

स्वतंत्रता आंदोलन और हिन्दी

स्वतंत्र भारत की राजभाषा और हिन्दी

राष्ट्रवाद और हिन्दी नवजागरण

आज की हिन्दी

अनुमोदित ग्रंथ:-

1. देवेन्द्रनाथ शर्मा – भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

Reviewed and modified

2. भोलानाथ तिवारी– भाषा विज्ञान, किताब महल, इलाहाबाद

3. बाबूराम सक्सेना– सामान्य भाषा विज्ञान, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

4. उदयनारायण तिवारी– हिन्दी भाषा का उद्गम और विकास, भारती भंडार, इलाहाबाद

5. सत्य नारायण त्रिपाठी– हिन्दी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास

6. अनंत चौधरी (सं.)– नागरी लिपि : हिंदी और वर्तनी, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय

7. रामविलास शर्मा– भारत की भाषा समस्या, राजकमल प्रकाशन

   " " – भाषा और समाज, राजकमल प्रकाशन

8. भोलानाथ तिवारी– हिन्दी भाषा

9. देवेन्द्रनाथ शर्मा– राष्ट्रभाषा हिन्दी : समस्याएँ और समाधान

10. चंद्रधर शर्मा – पुरानी हिन्दी, काशी ना० प्र० सभा, 1948

11. रामचंद्र शुक्ल– हिन्दी साहित्य का इतिहास, काशी ना० प्र० सभा, सं० 2005

12. किशोरीदास वाजपेयी– हिन्दी शब्दानुशासन, ना० प्र० सभा, काशी, सं० 2008

13. नामवर सिंह – हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योगदान, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद, 1952

14. सुनीति कुमार चटर्जी– भारतीय आर्य भाषा और हिन्दी, राजकमल, दिल्ली–1947

15. श्रीराम शर्मा– दक्खिनी का पद्य और गद्य, हिन्दी प्रचार सभा, हैदराबाद, 1954

16. डॉ० शितिकंठ मिश्र– खड़ी बोली आन्दोलन, ना० प्र० सभा, काशी, सं० 2013

17. अयोध्याप्रसाद खत्री स्मारक– (बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्), पटना 1960

18. राहुल सांकृत्यायन– मातृभाषाओं का प्रश्न (निबंध) (साहित्य निबंधावली)

18. राहुल निबंधावली से दिल्ली, पी॰पी॰एच॰ 1980– हिन्दी में पारिभाषिक शब्दों का निर्माण (निबंध) आचार्य रघुवीर का परिचय निर्माण लेख

18. रस करें ? प्रयाग, 1939 – द. हिन्दी साहित्य पर एक दृष्टि (निबंध)

19. डॉ० धर्मवीर– हिन्दी की आत्मा, दिल्ली, समता प्रकाशन, 1987

20. अमृत राय– ए हाउस डिवाइडेड (ओ.यू.पी.), 1984

21. क्रिस्टोफर आर॰ किंग– वन लैंग्वेज, टू स्क्रिप्ट्स, दी हिन्दी मूवमेंट इन नाइन्टीन्थ सेंचुरी नार्थ इंडिया, ओ.यू.पी. मुम्बई, 1994

22. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना- डॉ॰ वासुदेवनन्दन प्रसाद, भारती भवन, पटना

22. वसुधा डालमिया – नेशनलाइजेशन ऑफ हिन्दू ट्रेडिशन भारतेन्दु हरिश्चंद्र एण्ड नाइनटींथ सेंचुरी बनारस ओ. यू. पी. दिल्ली, 1997

23. डॉ. इकबाल अहमद– दक्खिनी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, लोकभारती, इलाहाबाद, 1986

24. राहुल सांकृत्यायन– दक्खिनी हिन्दी काव्यधारा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, 1959

25. पॉल आर. ब्रास– लैंग्वेज, रिलीजन एंड पॉलिटिक्स इन नार्थ इंडिया, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, प्रेस, 1974

26. वीर भारत तलवार– रस्साकशी, सारांश प्रकाशन, दिल्ली, 2002

27. [illegible]– [illegible] प्रकाशन, दिल्ली, 1986

28. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय– आधुनिक हिन्दी साहित्य (1850–1900) लोक भारती, इलाहाबाद, 1998

29. डॉ. श्रीराम शर्मा– दक्खिनी हिन्दी का उद्भव और विकास, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 1964

*****

HIN 103 CC-2 हिंदी द्वितीय प्रश्न पत्र

क्रेडिट : 5

3×10 = 30 (आलोचनात्मक)
4×5 = 20 (लघु उत्तरीय)
10×2 = 20 (वस्तुनिष्ठ)
70

इतिहास दर्शन, साहित्येतिहासदर्शन व हिन्दी साहित्येतिहासलेखन की परंपरा

इतिहास क्या है? इतिहास-दृष्टि

इतिहास-दृष्टि और साहित्येतिहास लेखन-पद्धति है?

~~इतिहास-दर्शन और साहित्यिक इतिहास~~

साहित्येतिहास के प्रमुख सिद्धांत : विधेयवाद, मार्क्सवाद और संरचनावाद

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्याएँ ~~और विभिन्न इतिहास-दृष्टियाँ~~

काल-विभाजन एवं आधार

साहित्यिक प्रवृत्तियों का अंतर्संबंध

सामाजिक परिवेश और सांस्कृतिक सत्ता व संदर्भ

इतिहास और आलोचना

हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा

~~उत्तर आधुनिकतावाद, नव इतिहासवाद, साहित्येतिहास का सांस्कृतिक संदर्भ~~

अनुमोदित ग्रंथ–

1. ई. एच. कार – इतिहास क्या है?
2. नलिन विलोचन शर्मा – साहित्य का इतिहास दर्शन
3. वॉल्श – फिलासफी ऑफ हिस्ट्री
4. रामविलास शर्मा – इतिहास दर्शन
5. आर.जी. कॉलिंगवुड – द आइडिया ऑफ हिस्ट्री
6. आर.जी. कॉलिंगवुड – हिस्टोरिकल इमेजिनेशन
7. [illegible] – कॉन्सेप्ट ऑफ हिस्ट्री एंड हिस्टोरियोग्राफी
8. [illegible] (सं.) – हिन्दी साहित्येतिहासलेखन की समस्याएँ, हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली।

9. एफ.ई.कालीस– द हिस्ट्री इंटरप्रेटेशन ऑफ हिस्ट्री
10. बट्रेंड रसेल– पोर्ट्रेट्स ऑफ हिस्ट्री
11. ऐक्टन– हिस्टोरिकल एसेज एंड स्टडीज
12. एम.लोरेंस अर्मी– दि सेंस ऑफ हिस्ट्री: सेक्युलर एंड सैक्रेड
13. रामचन्द्र शुक्ल – हिन्दी साहित्य का इतिहास
14. डॉ० नगेन्द्र (सं)– हिन्दी साहित्य का इतिहास
15. हजारी प्रसाद द्विवेदी– हिन्दी साहित्य की भूमिका
    " " – हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास
16. सुधीश पचौरी– उत्तर आधुनिकता और उत्तर संरचनावाद
17. गोपीचंद नारंग– संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद और प्राच्य काव्यशास्त्र
18. मैनेजर पांडेय– साहित्य और इतिहास दृष्टि

*****

हिन्दी विभाग
बिहार विश्वविद्यालय
मुजफ्फरपुर

HN 303 CC-3   (3) तीसरा-प्रश्न पत्र   3×10=30, 4×5=20, 10×2=20, 70

क्रेडिट : 5

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरंभ से रीतिकाल तक)

- हिन्दी साहित्य का आरंभ : कब और कैसे? पूर्ववर्ती साहित्यिक परंपराएँ, आदिकालीन ~~साहित्यिक परिस्थितियाँ~~, आदिकाल के प्रमुख कवि और उनका काव्य, प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियाँ
- भक्ति आंदोलन के उदय की सामाजिक-सांस्कृतिक ~~कारण~~ ~~सामाजिक-सांस्कृतिक~~ पृष्ठभूमि, दार्शनिक आधार, भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अंतःप्रादेशिक वैशिष्ट्य, भक्ति आंदोलन और लोक जागरण
- सगुण और निर्गुण भक्ति का सामाजिक आधार, प्रमुख सगुण-निर्गुण कवि और उनकी रचनाओं में तत्कालीन समाज का चित्र, भारत में सूफी मत का उदय और विकास, हिन्दी के प्रमुख सूफी कवि और उनका काव्य, सूफी काव्य के प्रमुख सिद्धांत, संतकाव्य की सामान्य विशेषताएँ
- सगुण और निर्गुण भक्ति काव्य की सामान्य विशेषताएँ, ~~संतकाव्य की सामान्य विशेषताएँ, सूफी काव्य~~ की सामान्य विशेषताएँ, कृष्ण काव्य की सामान्य विशेषताएँ, रामकाव्य की सामान्य विशेषताएँ
- रीतिकाल और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, रीतिकाल के कुछ केंद्र, दरबारी संस्कृति और रीतिकाव्य, रीतिकाल की विभिन्न धाराएँ– रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त, प्रमुख कवि और उनका काव्य, रीतिकाव्य की सामान्य विशेषताएँ

अनुशंसित ग्रंथ–

1. रामचन्द्र शुक्ल– हिंदी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी– हिन्दी साहित्य की भूमिका
3. हजारी प्रसाद द्विवेदी– हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. हजारी प्रसाद द्विवेदी– हिंदी साहित्य का आदिकाल, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
5. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र– हिंदी साहित्य का अतीत (भाग- एक), वाणी वितान, ब्रह्मनाल, वाराणसी।
6. डॉ० नगेन्द्र (सं०)- हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7. रामस्वरूप चतुर्वेदी– हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती, इलाहाबाद।
8. नलिन विलोचन शर्मा– साहित्य का इतिहास-दर्शन, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
9. बच्चन सिंह– हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
10. मैनेजर पांडेय– साहित्य और इतिहास दृष्टि, वाणी प्रकाशन दिल्ली।

11. अवधेश प्रधान– हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ, साहित्य वाणी, इलाहाबाद
12. प्रो. एहतेशाम हुसैन– उर्दू साहित्य का इतिहास, अंजुमन तरक्की-ए-उर्दू, ऑन्ध्र हाउस, नई दिल्ली।
13. वशिष्ठ अनूप– हिन्दी साहित्य का अद्यतन इतिहास
14. डॉ. त्रिभुवन सिंह, डॉ. विजयपाल सिंह– साहित्यिक निबंध
15. डॉ. शंभुनाथ शुक्ल– आदिकालीन हिन्दी साहित्य
16. डॉ. जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह– कबीर-वाङ्मय : रमैनी
17. डॉ. जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह– कबीर-वाङ्मय : सबद
18. डॉ. जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह– कबीर-वाङ्मय : साखी
19. डॉ. नागेन्द्रनाथ उपाध्याय– गोरखनाथ नाथ सम्प्रदाय के परिप्रेक्ष्य में
20. डॉ. वासुदेव सिंह– हिन्दी सन्त काव्य : समाजशास्त्रीय अध्ययन
21. आचार्य रामचन्द्र तिवारी – मध्ययुगीन काव्य साधना
22. डॉ. धर्मेन्द्रनाथ उपाध्याय– बौद्ध धर्म तथा संत साहित्य
23. डॉ. शिवप्रसाद सिंह– कीर्तिलता और अवहट्ट-काव्य का सांस्कृतिक अध्ययन
24. शिव कुमार मिश्र– भक्तिकाव्य और लोकजीवन
25. डॉ. नगेन्द्र– भारतीय काव्य शास्त्र
26. प्रेमशंकर– भक्तिकाव्य की भूमिका
27. विश्वनाथ त्रिपाठी– हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास

******

हिन्दी विभागाध्यक्ष
गोरखपुर

MHN 301 CC-4 चौथा प्रश्न पत्र

क्रेडिट : 5

आरंभिक हिन्दी कविता

चंदबरदाई– पृथ्वीराज रासो, सं. डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी एवं नामवर सिंह

अद्दहमाण– संदेश रासक, डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी एवं विश्वनाथ त्रिपाठी

~~जायसी– पद्मावत, सं. वासुदेवशरण अग्रवाल, ... पद्मावती–समय ...~~

विद्यापति– विद्यापति की पदावली, सं. रामवृक्ष बेनीपुरी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

कीर्तिलता, सं. वीरेन्द्र श्रीवास्तव

अनुमोदित पुस्तक–सूची

1. पृथ्वीराज रासो, सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल, हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. पृथ्वीराज रासो की भाषा, नामवर सिंह
4. पृथ्वीराज रासो, डॉ. माता प्रसाद गुप्त
5. विद्यापति, शिव प्रसाद सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद
6. कीर्तिलता और विद्यापति का युग, ... प्रकाशन, वाराणसी
7. जायसी ग्रंथावली, भूमिका, सं. रामचन्द्र शुक्ल
8. जायसी, विजयदेव नारायण साही, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
9. चंदबरदाई, नामवर सिंह, साहित्य अकादेमी, दिल्ली
10. पद्मावत, डॉ. माताप्रसाद गुप्त
11. हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय, पीताम्बर बड़थ्वाल
12. Mithila in age of Vidyapati, Radha Krishna Chaudhary Varanasi, 1976
13. [illegible]
14. हिन्दी काव्य की निर्गुणधारा में भक्ति, श्यामसुंदर शुक्ल, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
15. सूफीमत : साधना और साहित्य, रामपूजन तिवारी, ज्ञानमंडल, वाराणसी

*****

MHN 501 CC-5

पांचवाँ प्रश्न पत्र

क्रेडिट : 05

द्वितीय सत्र

3×18 = 30
4×5 = 20
10×2 = 20
70

हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल (भारतेन्दु युग से अद्यतन तक)

- सन् 1857 की क्रांति और हिन्दी प्रदेश का नवजागरण, सांस्कृतिक पुनर्जागरण व नवजागरण का संबंध, भारतेन्दु हरिश्चंद्र और उनका मंडल, अन्य महत्त्वपूर्ण लेखक
- भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्य, खड़ी बोली हिन्दी गद्य का विकास, फोर्ट विलियम कॉलेज और ईस्ट इंडिया की भाषा नीति, 19वीं सदी में हिन्दी की प्रमुख पत्र-पत्रिकाएँ, भारतेन्दुयुगीन साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ
- महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, सरस्वती और हिन्दी नवजागरण, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा

  हिन्दी में आधुनिक गद्य विधाओं का उद्भव एवं विकास: [illegible] आलोचना, निबंध, नाटक, उपन्यास, कहानी, आत्मकथा, जीवनी, यात्रा-वृत्तांत, संस्मरण आदि
- राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन और हिन्दी पर उसका प्रभाव- हिन्दी में स्वच्छंदतावादी प्रवृत्ति का उदय, विकास और छायावाद
- प्रगतिशील आंदोलन और हिन्दी साहित्य, प्रगतिशील साहित्य की विशेषताएँ
- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य, देश विभाजन और साहित्य, कविता और नई कविता
- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य में वैचारिक द्वंद्व- [illegible] अस्तित्ववाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, जनवाद आदि
- आंचलिक उपन्यास और उपन्यासकार, नई कहानी आंदोलन और उसके बाद की कहानी, नाटक और रंगमंच के क्षेत्र में नए प्रयोग, हिन्दी आलोचना का विकास
- उत्तरआधुनिकतावाद, बाज़ार, उपभोक्ता-संस्कृति
- समकालीन हिन्दी साहित्य- समकालीन-हिन्दी-कविता-कहानी, कहानी, उपन्यास, नाटक आदि में नई प्रवृत्तियों का उदय, साहित्यिक पत्रकारिता और लघु पत्रिका आंदोलन, हिन्दी साहित्य में स्त्री-लेखन, दलित-लेखन
- हिन्दी में प्रवासी साहित्य का परिचय
- आधुनिक हिन्दी साहित्य के विकास में संस्थाओं की भूमिका (अन्य महत्वपूर्ण संस्थाएँ)

अनुमोदित ग्रंथ:-

1. रामचन्द्र शुक्ल– हिन्दी साहित्य का इतिहास
2. हजारी द्विवेदी– हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास
3. वि0 प्र0 मिश्र– हिन्दी साहित्य का अतीत, दो भाग
4. मैनेजर पाण्डेय – भक्ति आंदोलन और सूरदास, दिल्ली, 1994
5. रामविलास शर्मा– भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1984
6. मैनेजर पाण्डेय– साहित्य और इतिहास दृष्टि, पीपुल्स लिटरेसी, दिल्ली, 1981
7. नंददुलारे वाजपेयी– हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, लोकभारती, इलाहाबाद, 1983
8. विश्वनाथ त्रिपाठी– हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास, एन.सी.ई.आर.टी. दिल्ली, 1986
9. रामस्वरूप चतुर्वेदी– हिन्दी साहित्य और संवेदना का इतिहास, लोकभारती, इलाहाबाद, 1986
10. नामवर सिंह– कविता के नये प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1968
11. देवीशंकर अवस्थी– विवेक के रंग, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1965
12. ओमप्रकाश वाल्मीकि– दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2001
13. राजेन्द्र यादव/अर्चना वर्मा, सं.– अतीत होती सदी और स्त्री का भविष्य, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2001
14. महादेवी वर्मा– श्रृंखला की कड़ियाँ, भारती भण्डार, इलाहाबाद, 1953
15. बच्चन सिंह– हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1996
16. श्योराज सिंह बेचैन, देवेन्द्र चौबे, सं.– चिंतन की परम्परा और दलित साहित्य : नवलेखन प्रकाशन, हजारीबाग और स्वस्तिका पब्लिकेशन, दिल्ली, 2001
17. S.C. Malik (Ed.) - Indian Documents : Some Aspects of Dissent Protest and Reform, Shimla, 1978
18. Savitri Chandra- Social Life and Concepts in Medieval Hindi Bhakti Poetry, Meerut, 1983.
19. विजयेन्द्र स्नातक– हिन्दी साहित्य का इतिहास, साहित्य अकादमी, दिल्ली, 1996
20. देवेन्द्र चौबे– आधुनिक साहित्य में दलित विमर्श, ओरियंट ब्लैकस्वान, दिल्ली, 2009

21. दीपक कुमार, देवेन्द्र चौबे (सं) – हाशिये का वृत्तांत : स्त्री दलित और आदिवासी समाज का वैकल्पिक इतिहास, आधार प्रकाशन, पंचकूला, 2001

22. सुमन राजे– हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास

23. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय– आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास

24. नामवर सिंह– इतिहास और आलोचना

" " – छायावाद

" " – आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ

25. रामचन्द्र तिवारी– हिन्दी का गद्य साहित्य

" " – आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध आयाम

26. रामस्वरूप चतुर्वेदी– गद्य साहित्य : विकास और विन्यास

*****

हिन्दी विभागाध्यक्ष
बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालय
मुजफ्फरपुर

HIN 202 CL-6   46   समसामयिक पत्र

क्रेडिट : 3/4

व्याख्या – 3×10 = 30
आलोचनात्मक – 4×5 = 20
[illegible] – 10×2 = 20
70

मध्यकालीन हिन्दी कविता (कबीर, सूर, तुलसी, मीरा, रैदास, बिहारी और घनानंद)

कबीर– हजारी प्रसाद द्विवेदी कृत 'कबीर', राजकमल, नई दिल्ली (पद क्रम सं. 220 से [illegible] तक)
[illegible]
सूरदास– भ्रमरगीत सार, सं. रामचन्द्र शुक्ल

(पद सं.– ~~1, 3, 8, 15, 16, 17, 19, 21, 23, 30, 35, 42, 45~~ 67, 64, 76, 85, 89, 96, 97, 121, 133, 143, 216, 211, 316, 365, 364, 400 ~~[illegible]~~ ([illegible]))

तुलसीदास – रामचरित मानस (उत्तरकांड– [illegible] से 37 वें दोहे तक)

~~(अयोध्या कांड– [illegible] दोहे से [illegible] तक)~~

मीरा– मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

([illegible] पद: [illegible] पाली, [illegible] ~~[illegible]~~

रैदास– संत [illegible] रविदास, सं. [illegible], इलाहाबाद ~~[illegible]~~ ([illegible])

बिहारी– बिहारी रत्नाकर सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

(दोहा सं. 1, 2, 13, 20, 25, 32, 34, 35, 38, 41, 46, 51, 56, 61, 70, 73, 88, 94, 101, 141, ~~[illegible] 181, 192, 201, 229, 251, 300, 316, 322, 331, 357, 383, 390, 396, 420, 427, 460, 486, 632, 677, 689~~ ~~[illegible]~~ ([illegible] 20 दोहे)

घनानंद– घनानंद कवित्त, सं. [illegible]

(छंद सं. 1, 2, 3, 9, 14, 15, 16, 18, 21 एवं 23)

अनुमोदित ग्रंथ–

1. हजारी प्रसाद द्विवेदी– कबीर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. रघुवंश– कबीर एक नई दृष्टि, इलाहाबाद नई दिल्ली
3. पुरुषोत्तम अग्रवाल– अकथ कहानी प्रेम की, राजकमल नई दिल्ली
4. डॉ. धर्मवीर – कबीर के आलोचक
5. [illegible], [illegible], दिल्ली

5. रामचन्द्र शुक्ल- सूरदास
6. रामचन्द्र शुक्ल- गोस्वामी तुलसीदास
7. विश्वनाथ त्रिपाठी- लोकवादी तुलसीदास
8. हजारी प्रसाद द्विवेदी- सूर साहित्य
9. हरवंश लाल शर्मा- सूर और उनका साहित्य
10. नंद दुलारे वाजपेयी- महाकवि सूरदास, लखनऊ
11. मैनेजर पांडेय- भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य, नई दिल्ली
12. प्रेमशंकर- रामकाव्य और तुलसी
13. विश्वनाथ त्रिपाठी- मीरा का काव्य
14. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र- बिहारी, वाराणसी
15. बच्चन सिंह- बिहारी का नया मूल्यांकन
16. मनोहर लाल गौड़- घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा
17. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र- घनानंद कवित्त, वाराणसी
18. ज्योतिका शर्मा- मुंशी रीतिमुक्त काव्य में प्रतिरोध
19. इनी बंस- घनानंद

*****

MHN 203 CC-7

सातवाँ प्रश्न पत्र

क्रेडिट :5

संस्कृत साहित्य का इतिहास

आर्ष महाकाव्यों का परिचय

आर्ष महाकाव्यों का पूर्वापर क्रम

संस्कृत महाकाव्य

संस्कृत गीतिकाव्य

संस्कृत नाटक

संस्कृत गद्यकाव्य

पाठ्य-पुस्तक- मेघदूत (पूर्वमेघ) 10 छन्द

अनुमोदित ग्रंथ-

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास- डॉ0 [illegible], [illegible], दिल्ली
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास- राधावल्लभ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. संस्कृत कवियों का दर्शन-ग्रंथ- दयाशंकर त्रिपाठी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. संस्कृत सुकवि समीक्षा- बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा, वाराणसी
5. संस्कृत नाटककार- कान्ति किशोर भरतिया, हिन्दी समिति, लखनऊ
6. मेघदूत: एक पुरानी कहानी- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. [illegible]

*****

HM 206 CC-8 प्रथम प्रश्न पत्र

क्रेडिट : 5

अस्मितामूलक विमर्श

अस्मिता की अवधारणाएँ और सिद्धांत, अस्मिता-निर्माण की प्रक्रिया और प्रकृति

स्मृति, इतिहास और अस्मिता

अस्मिता और सत्ता

धर्म और अस्मिता

अस्मिता और राष्ट्र

भूमंडलीकरण और अस्मिता

व्यक्ति-अस्मिता और सामूहिक अस्मिता

हाशिए की अस्मिताएँ

अल्पसंख्यक अस्मिताएँ

जेंडर की अवधारणा और स्त्रीवादी चिंतकों की अवधारणाएँ

जेंडर अस्मिता, यौन-अस्मिता और सत्ता

जेंडर, भाषा और साहित्य

अंबेडकर और परवर्ती दलित चिंतक

दलित आंदोलन और दलित साहित्य

दलित साहित्य और भाषा

पाठ– दलित कविताएँ– हीरा डोम, [illegible], निर्मला पुतुल, डॉ० दयानंद बटोही और [illegible] प्रसाद, [illegible]

दलित कहानियाँ– [illegible]

दलित उपन्यास– [illegible] (मोहनदास नैमिशराय), उधर के लोग (अजय नावरिया)

दलित आत्मकथाएँ– जूठन (ओमप्रकाश वाल्मीकि), मुर्दहिया (डॉ० तुलसी राम)

स्त्री आत्मकथाएँ– अन्या से अनन्या (प्रभा खेतान), कस्तूरी कुंडल बसै (मैत्रेयी पुष्पा)

अनुमोदित ग्रंथ–

1. M.Melleci - New social movements : A Theoritical Approach
2. T.S. Kuhn (Ed.)- The Kristieva Reader
3. Beverly Skeggs- Feminist Cultural theory process and production
4. Sylvia Walby- The Originating Patriarchy
5. Tony Rosemary- Feminist Thought : A Comprehensive introduction
6. Mary Wollstone craft- A vindication of the Rights of Women.
7. J.S. Mill- The Subjection of Women
8. डॉ. भीमराव अम्बेडकर– अम्बेडकर समग्र, भारत सरकार का प्रकाशन
9. ज्योतिबा फुले– ज्योतिबा फुले समग्र
10. अभय कुमार दुबे (सं.)– आधुनिकता के आईने में दलित
11. सिमोन द बोउआर– स्त्री उपेक्षिता (अनु. प्रभा खेतान)
12. महादेवी वर्मा– शृंखला की कड़ियाँ
13. डॉ. शरण कुमार लिंबाले– दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
14. ओम प्रकाश वाल्मीकि– दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र
15. कंवल भारती– दलित कविता की भूमिका
16. साधना आर्य (सं.)– नारीवादी राजनीति : संघर्ष और मुद्दे व जिनी लोकनीता
17. सदानंद शाही (सं.)– दलित साहित्य की अवधारणा और प्रेमचंद
18. प्रभा खेतान– उपनिवेश में स्त्री

*****

सप्तम प्रश्न पत्र

क्रेडिट : 05

(वैकल्पिक पत्र)

उपन्यास

~~भारतीय भाषाओं में उपन्यास के उदय की सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि~~

भारतीय आख्यान परंपरा और उपन्यास

उन्नीसवीं शताब्दी के भारतीय उपन्यासों की प्रमुख प्रवृत्तियाँ— सुधारवादी उपन्यास, अद्भुत कथा, ऐतिहासिक उपन्यास—इतिहास और मिथक, यथार्थवाद का उदय

बीसवीं सदी का पूर्वार्द्ध और भारतीय उपन्यास की विशिष्ट पहचान

स्वाधीनता आंदोलन की भूमिका और हिंदी उपन्यास (विशेषतः प्रेमचंद)

भारतीय उपन्यास चिंतन, हिंदी उपन्यास चिंतन

उपन्यास और राष्ट्र

उपन्यास और मध्यवर्ग

व्यक्ति और उपन्यास

अंचल, गाँव, शहर और उपन्यास

देश का विभाजन और उपन्यास

आंचलिक उपन्यास

पाठ— प्रेमचंद (गोदान), जैनेन्द्र (त्यागपत्र), हजारी प्रसाद द्विवेदी (बाणभट्ट की आत्मकथा), फणीश्वरनाथ रेणु (मैला आँचल), नागार्जुन (वरुण के बेटे), अज्ञेय (नदी के द्वीप), भीष्म साहनी (तमस), श्रीलाल शुक्ल (राग दरबारी), मैत्रेयी पुष्पा (इदन्नमम), अलका सरावगी ([illegible])।

अनुशंसित ग्रंथ—

1. [illegible]— उपन्यास, आलोचना 69, (जनवरी– मार्च 1986)
2. जॉर्ज लुकाच— उपन्यास का सिद्धांत
3. राल्फ फॉक्स— उपन्यास और लोक जीवन
4. गोपाल राय— हिंदी उपन्यास का इतिहास
5. इन्द्रनाथ मदान— आज का हिंदी उपन्यास

इन्द्रनाथ मदान– हिन्दी उपन्यास : पहचान और परख

6. राजेन्द्र यादव– उपन्यास : स्वरूप और संवेदना
7. रामदरश मिश्र– हिन्दी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा
8. परमानंद श्रीवास्तव– उपन्यास का यथार्थ और रचनात्मक भाषा
9. मीनाक्षी मुखर्जी– रियलिज्म एंड रियलिटी : नॉवेल एंड सोसायटी इन इंडिया
10. शिव कुमार मिश्र– यथार्थवाद
11. रामविलास शर्मा– प्रेमचंद और उनका युग
12. विश्वनाथ त्रिपाठी– हिन्दी उपन्यास (1950 के बाद)
13. [illegible] – भारतीय स्वाधीनता आंदोलन और हिन्दी उपन्यास
14. नेमिचन्द जैन– अधूरे साक्षात्कार
15. ज्ञानचंद जैन– प्रेमचंद पूर्व के हिन्दी उपन्यास
16. टी.डब्ल्यू. क्लार्क (सं.) – द नॉवेल इन इंडिया, लंदन 1970
17. नरेन्द्र प्रसाद मिश्र– आंचलिकता की कला और कथा साहित्य
18. नन्द दुलारे वाजपेयी– प्रेमचंद : एक साहित्यिक विवेचन
19. चंद्रकांत बांदिवडेकर– जैनेन्द्र के उपन्यास : मर्म की तलाश
20. अशोक वाजपेयी – जैनेन्द्र की आवाज
21. [illegible] कुमार– [illegible], यथार्थ और रेणु
22. शशिभूषण सिंहल – हिंदी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ
23. कमलेश अवस्थी– परंपरा और आधुनिकीकरण
24. गोपाल राय– अज्ञेय और उनके उपन्यास
25. सत्यप्रकाश मिश्र (सं.) – गोदान का महत्त्व
26. मधुरेश – हिन्दी उपन्यास का विकास
27. विजय मोहन सिंह– कथा समय
28. नन्द किशोर नवल (सं.)– कसौटी (पत्रिका) का विशेष अंक बीसवीं सदी : कालजयी कृतियाँ
29. लुसिएं गोल्डमान– टुवार्ड्स ए सोशियोलॉजी ऑफ नॉवेल

हिन्दी विभागाध्यक्ष ... गोरखपुर

सेमेस्टर-तीन

[illegible] 302 CC-10

प्रश्न-पत्र

क्रेडिट : 05

तीन दीर्घ उत्तरीय – 3×10=30
लघु उत्तरीय – 4×5=20
वस्तुनिष्ठ – 10×2=20
= 70

आधुनिक हिन्दी काव्य

खड़ी बोली की कविता में राष्ट्रवाद

आधुनिकता और छायावाद

प्रगति और प्रयोगवाद

राजनीति और काव्य

1. साकेत– मैथिलीशरण गुप्त– लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद (अध्ययन हेतु केवल नवम सर्ग)
2. कामायनी– जयशंकर प्रसाद (अध्ययन हेतु केवल श्रद्धा सर्ग)
3. राम विलास– निराला, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद (राम की शक्ति पूजा, [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible])
4. पल्लव– पंत लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद (आरंभिक पाँच कविताएँ)
5. [illegible]– महादेवी (आरंभिक [illegible])
6. उर्वशी– दिनकर (अध्ययन हेतु केवल तृतीय सर्ग)
7. [illegible]– [illegible] [illegible], [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible]
   प्रतिनिधि कविताएँ– राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. [illegible]– [illegible], [illegible] [illegible], [illegible], [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] है [illegible] [illegible]
   प्रतिनिधि कविताएँ– राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
9. मुक्ति की खोज कविताएँ– डॉ. [illegible] सिंह, [illegible] कुमार सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
   ~~[illegible]~~, [illegible] [illegible] [illegible]।
10. [illegible]– मैं [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible], [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] ([illegible] [illegible] का [illegible])
    [illegible] [illegible]– [illegible] प्रकाशन, [illegible]
    ([illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] है)

अनुशंसित ग्रंथ–

1. आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास– डॉ. नन्दकिशोर नवल, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
2. [illegible] [illegible]– [illegible] सिंह, [illegible] [illegible] इलाहाबाद
3. दिनकर [illegible] – डॉ. [illegible] [illegible] [illegible] एवं डॉ. [illegible] कुमार – लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद

3. कामायनी परिशीलन– डॉ० नन्द किशोर नवल, अनुपम प्रकाशन, पटना।

4. कामायनी लोचन– डॉ० उदय भानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

5. राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त और साकेत– डॉ० सूर्य प्रसाद दीक्षित, [illegible] प्रकाशन, दिल्ली।

6. मैथिलीशरण – डॉ० नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

7. छायावाद– डॉ० नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन दिल्ली

8. प्रसाद का काव्य– डॉ० प्रेमशंकर, राधाकृष्ण

9. निराला की साहित्य साधना (तीन भाग) – डॉ० रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

10. निराला कृति से साक्षात्कार– नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन दिल्ली।

11. निराला : आत्महन्ता आस्था, दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

12. निराला की कविताएँ और काव्य भाषा – रेखा खरे लोकभारती

13. काव्य विमर्श : निराला – डॉ० [illegible], [illegible] पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।

14. आधुनिक हिन्दी कविता– डॉ० विश्वनाथ प्रसाद तिवारी लोकभारती।

15. महीयसी महादेवी– गंगा प्रसाद पाण्डेय, लोकभारती

16. महादेवी– इन्द्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली

17. जयशंकर प्रसाद– रमेशचन्द्र शाह, साहित्य अकादमी

18. निराला– परमानन्द श्रीवास्तव, साहित्य अकादमी

19. सुमित्रानन्दन पंत– कृष्ण दत्त पालीवाल, साहित्य अकादमी

21. मैथिलीशरण गुप्त– रेवती रमण, साहित्य अकादमी

22. दिनकर– विजेन्द्र नारायण सिंह, साहित्य अकादमी

23. दिनकर– सावित्री सिन्हा, राधाकृष्ण

24. उर्वशी: उपलब्धि और सीमा, विजेन्द्र नारायण सिंह, भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

25. उर्वशी: विचार और विश्लेषण– डॉ० वचनदेव कुमार, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

26. दिनकर– अर्धनारीश्वर कवि– नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

27. दिनकर की साहित्य साधना– [illegible], अभिषेक प्रकाशन, मुजफ्फरपुर

28. कवि प्रसाद– नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन

29. निराला [illegible] बिम्ब [illegible], डॉ० [illegible], वाणी प्रकाशन, दिल्ली

29. साँप– सं0 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

30. नेपाली : विरासत-अनुचिंतन सं0 [illegible] कुमार राय, [illegible] प्रकाशन, मुजफ्फरपुर

31. कवि– आचार्य जानकी वल्लभ शास्त्री, [illegible] प्रकाशन, मुजफ्फरपुर

32. हरिवंश राय बच्चन– [illegible], साहित्य अकादेमी, दिल्ली

33. गोपाल सिंह नेपाली– [illegible] कुमार राय, [illegible], मुजफ्फरपुर

*****

(२०५)

ग्यारहवाँ प्रश्न पत्र

क्रेडिट 4

दीर्घ उत्तरीय 3 x 10 = 30
लघु उत्तरीय 4 x 5 = 20
वस्तुनिष्ठ 10 x 2 = 20
70

पत्रकारिता मीडिया एवं जनसंचार

1. पत्रकारिता– परिभाषा, स्वरूप एवं भेद
2. समकालीन हिन्दी मीडिया– प्रिंट मीडिया प्रमुख पत्र एवं पत्रिकाएँ

   इलेक्ट्रानिक मीडिया– रेडियो, टेलीविजन, फिल्म, इन्टरनेट
3. जनसंचार– स्वरूप एवं भेद
4. मीडिया लेखन– समाचार, फीचर, साक्षात्कार, रिपोर्टिंग
5. प्रमुख पत्रकार– भारतेन्दु, मदन मोहन मालवीय, आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी, गणेश शंकर विद्यार्थी, प्रेमचन्द, शिवपूजन सहाय, [illegible], माखनलाल चतुर्वेदी, बनारसी दास चतुर्वेदी, अज्ञेय, धर्मवीर भारती, राजेन्द्र माथुर, बाबूराव विष्णु पराड़कर, प्रभाष जोशी
6. मीडिया के विभाग– सम्पादक विभाग, विज्ञापन विभाग, प्रबन्धन विभाग
7. पारिभाषिक शब्दावली– ऐड, बीट, ब्लॉग, न्यूज, कैप्शन, कवर स्टोरी, इन्ट्रो, [illegible], इनसाइड स्टोरी, कोलोफन, लीड।

अनुशंसित ग्रंथ–

1. हिन्दी पत्रकारिता का वृहद् इतिहास– अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. टेलीविजन की कहानी– श्याम कश्यप, मुकेश कुमार, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. प्रिंट पत्रकारिता– अरुण कुमार सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता– अजय कुमार सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. हिन्दी पत्रकारिता के प्रतिमान– डॉ. [illegible] कुमार राय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. संचार के मूल सिद्धान्त– ओम प्रकाश सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. जनसंचार– डॉ. [illegible] शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।
8. रेडियो प्रसारण– कौशल शर्मा, प्रतिभा प्रतिष्ठान, नई दिल्ली
9. प्रयोजनमूलक हिन्दी– सूर्यप्रसाद दीक्षित, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
10. पत्रकारिता हेतु लेखन– डॉ. निशान्त सिंह, ओमेगा पब्लिकेशन, दिल्ली
11. मीडिया लेखन सिद्धान्त और प्रयोग– मुकेश मानस, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली
12. भारतीय स्वतंत्रता और हिन्दी पत्रकारिता – डॉ. [illegible], बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना

12.1. पत्रकारिता के विविध संदर्भ- [illegible], अनुपम प्रकाशन, पटना

12. भारतीय इलेक्ट्रॉनिक मीडिया- डॉ. देवव्रत सिंह, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली

13. वेब पत्रकारिता नया मीडिया नये रुझान- शालिनी जोशी, शिवप्रसाद जोशी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

14. न्यू मीडिया इंटरनेट की भाषाई चुनौतियाँ और सम्भावनाएँ, डॉ. आर. अनुराधा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

15. मीडिया की खबर- [illegible], दिल्ली।

16. [illegible]- [illegible], प्रकाशन, दिल्ली।

17. समकालीन हिन्दी मीडिया- डॉ. [illegible], सामयिक प्रकाशन, दिल्ली।

18. पत्रकार [illegible]- डॉ. [illegible] कुमार [illegible], प्रकाशन, मुजफ्फरपुर

19. सामयिक मीडिया शब्दकोश- हर्षदेव, सामयिक प्रकाशन दिल्ली।

20. भारतेन्दु युगीन हिन्दी पत्रकारिता- डॉ. [illegible], अनुपम प्रकाशन, [illegible]

*****

[illegible] 18/5/18 [illegible] 18.5.18 [illegible] [illegible] 18/5/2018 [illegible] 18/5/2018

हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रम, डॉ. विनोद कुमार [illegible], [illegible], नई दिल्ली

सत्रहवाँ प्रश्न पत्र

क्रेडिट : 05

सैद्धान्तिक

उर्दू साहित्य

1. उर्दू भाषा : उद्भव और विकास
2. उर्दू काव्य रूपों का परिचय– क़सीदा, ग़ज़ल, नज़्म, रुबाई, मसनवी, मर्सिया
3. ~~उर्दू काव्य – विशेष [illegible] का विवेचन~~
4. उर्दू कहानी
5. उर्दू नाटक
6. उर्दू आलोचना
7. उर्दू पत्रकारिता

अनुशंसित ग्रंथ:-

1. उर्दू भाषा और साहित्य– रघुपति सहाय फ़िराक गोरखपुरी, हिन्दी–समिति, लखनऊ
2. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास– एहतेशाम हुसैन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. उर्दू शायरी : आज़ादी के बाद– शंकर दत्त, [illegible]
4. उर्दू कविता का विकास– वृन्दावन दास, अंकित प्रकाशन, मुज़फ्फरपुर
5. उर्दू साहित्य कोश– कमल नसीम, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

बांग्ला साहित्य

1. बांग्ला भाषा : उद्भव और विकास
2. प्राचीन बांग्ला काव्य
3. मध्यकालीन बांग्ला काव्य (विशेष: चैतन्य, चण्डीदास, कृत्तिवास ओझा)
4. आधुनिक बांग्ला काव्य– विशेष: बिहारी लाल चक्रवर्ती, माइकेल मधुसूदन दत्त, रवीन्द्रनाथ ठाकुर, नज़रूल इस्लाम, जीवनानन्द दास, विष्णु दे, बुद्धदेव बसु, सुभाष मुखोपाध्याय और शंकर घोष
5. आधुनिक बांग्ला कहानी– विशेष: रवीन्द्रनाथ ठाकुर, शरतचन्द्र, विभूतिभूषण बन्द्योपाध्याय, ताराशंकर बन्द्योपाध्याय, आशापूर्णा देवी

6. बांग्ला उपन्यास– विशेषतः– बंकिमचन्द्र चटर्जी, रवीन्द्रनाथ ठाकुर, शरतचन्द्र, ताराशंकर बन्द्योपाध्याय, विमल मित्र, गजेन्द्र कुमार मित्र, महाश्वेता देवी, मानिक बन्द्योपाध्याय

7. बांग्ला नाटक और रंगमंच का विकास

अनुशंसित ग्रंथ–

1. बांग्ला साहित्य का इतिहास– डॉ. सुकुमार सेन, साहित्य अकादेमी, दिल्ली
2. बांग्ला साहित्य का इतिहास– डॉ. करुणेन्द्र, हिन्दी–समिति, लखनऊ
3. रवीन्द्रनाथ ठाकुर– क्षितिश कुमार घोष, हिन्दी अनुवाद– अनामिका, साहित्य अकादेमी, दिल्ली।
4. माणिक बन्द्योपाध्याय– सरोज मोहन मित्र, अनु– विनोद भारद्वाज साहित्य अकादेमी, दिल्ली।
5. माइकेल मधुसूदन दत्त– अमलेन्दु बोस, अनु. रामकृष्ण पाण्डेय, साहित्य अकादेमी, दिल्ली।
6. बंकिमचन्द्र चटर्जी– सुबोध चन्द्र सेन गुप्त, अनु. कमल गुप्त साहित्य अकादेमी, दिल्ली
7. काजी नजरुल इस्लाम– गोपाल हालदार, अनु. विनोद भारद्वाज साहित्य अकादेमी, दिल्ली

*****

हिन्दी विभागाध्यक्ष
बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालय
मुजफ्फरपुर

MHN 401 CC-13 [illegible] प्रश्न पत्र

क्रेडिट : [illegible]

[illegible]

समकालीन हिन्दी कविता

1. केदारनाथ अग्रवाल– [illegible], जो शिलाएँ तोड़ते हैं, [illegible], [illegible], नागार्जुन के बाँदा आने पर

2. नागार्जुन– प्रतिबद्ध हूँ, बादल को घिरते देखा है, सिन्दूर तिलकित भाल, हरिजन गाथा, प्रेत का बयान, कालिदास

3. त्रिलोचन– [illegible], उस जनपद का कवि हूँ मैं, [illegible], चम्पा काले काले अच्छर नहीं चीन्हती, धूप सुन्दर, [illegible]

4. मुक्तिबोध– ~~[illegible]~~ अँधेरे में, [illegible]

5. अज्ञेय– असाध्य वीणा, नदी के द्वीप, [illegible], ~~[illegible]~~

6. शमशेर बहादुर सिंह– [illegible], [illegible], अमन का राग, एक पीली शाम, [illegible] की एक शाम

7. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना – [illegible], अपनी बिटिया के लिए दो कविताएँ, भेड़िया-2, तुम्हारे लिए, कुआनो नदी, [illegible] और चिड़ियाँ

8. विजयदेव नारायण साही– कौन पुकारता है, [illegible]

9. रघुवीर सहाय– [illegible], रामदास, [illegible], लोग भूल गये हैं, [illegible]

10. कुँवर नारायण – [illegible]

11. केदारनाथ सिंह– बनारस, टूटा हुआ ट्रक, बैल, बाघ

12. धूमिल– मोचीराम, पटकथा, संसद से सड़क तक

13. [illegible] तिवारी– [illegible]

14. अरुण कमल– [अपनी केवल] धार, नये इलाके में, [illegible], पुतली में संसार, [illegible]

15. मदन कश्यप– [illegible]

(इनमें से किन्हीं [illegible] कवियों का अध्ययन-अध्यापन अपेक्षित है)

अनुशंसित ग्रंथ:-

1. केदारनाथ अग्रवाल : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. अरुण कमल : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. केदारनाथ सिंह : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. मुक्तिबोध : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. [illegible] : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. शमशेर बहादुर सिंह : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. त्रिलोचन : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. आज के लोकप्रिय कवि अज्ञेय, राजपाल एंड संज़, नई दिल्ली
10. रघुवीर सहाय : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. मदन कश्यप : कवि ने कहा, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
12. विजयदेव नारायण साही : साखी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
13. समकालीन हिन्दी कविता– विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
14. कविता का वर्तमान– खगेन्द्र ठाकुर, परिमल प्रकाशन, इलाहाबाद
15. समकालीन काव्य–यात्रा– नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
16. मुक्तिबोध: ज्ञान और संवेदना– नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
17. हिन्दी के प्रगतिशील और समकालीन कवि– डॉ० [illegible] साहित्य रत्नालय, कानपुर।
18. कविता के नये प्रतिमान– डॉ० नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
19. कविता की जमीन और जमीन की कविता– डॉ० नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
20. नयी कविता और अस्तित्ववाद– राम विलास शर्मा, राजकमल।
21. आधुनिक कवि– विश्वम्भर मानव, रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन।
22. आधुनिक कविता यात्रा– रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन
23. कविता के तीन दरवाजे– अशोक वाजपेयी, राजकमल
24. कविता का उत्तर जीवन : परमानंद श्रीवास्तव, राजकमल

25. हिन्दी कविता अभी बिल्कुल अभी- नन्दकिशोर नवल, राजकमल

26. समकालीन हिन्दी कविता- ए. अरविन्दाक्षन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

27. अन्धकार का पूरा विलक्ष कवि मैं- डॉ. विपिन बिहारी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

28. नागार्जुन अंतरंग और सृजनकर्म- सं. मुरली मनोहर प्रसाद सिंह, संपत चौहान, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

29. कवि परम्परा की पड़ताल- प्रभाकर श्रोत्रिय, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।

30. मुक्तिबोध से मुक्ति- डॉ. रेवतीरमण, अभिव्यक्ति प्रकाशन इलाहाबाद।

31. त्रिलोचन- रेवतीरमण, साहित्य अकादेमी, दिल्ली।

32. शमशेर बहादुर सिंह- रंजना अरगड़े, साहित्य अकादेमी, दिल्ली।

33. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना- कृष्णदत्त पालीवाल, अकादेमी, दिल्ली।

34. कुँवर नारायण रचनावली- सं. यतीन्द्र मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

*****

हिन्दी विभाग
... मुजफ्फरपुर

(Y HIN 402 (...)) ~~पाँचवाँ~~ प्रश्न पत्र

3×10 = 30 (...)
4×5 = 20 (...)
10×2 = 20
70

क्रेडिट : 05

काव्यशास्त्र

भारतीय काव्यशास्त्र का इतिहास – सामान्य परिचय

प्रमुख आचार्य और काव्यशास्त्रीय सम्प्रदाय

काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य रीति, काव्य-गुण

रस सिद्धांत– रस की अवधारणा, रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण

ध्वनि सिद्धांत– ध्वनि की अवधारणा, ध्वनि सिद्धांत का क्षेत्र, ध्वनि का वर्गीकरण, ध्वनि सिद्धांत का महत्व

प्लेटो– ~~काव्य-संबंधी~~ ...

अरस्तू– अनुकरण– सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत, त्रासदी

X ~~लौंजाइनस– उदात्त की अवधारणा~~

~~विलियम वर्ड्सवर्थ– काव्य सिद्धांत~~

~~मैथ्यू आर्नल्ड– आलोचना– दृष्टि~~

क्रोचे – अभिव्यंजनावाद

इलियट– परंपरा की अवधारणा, निर्वैयक्तिक काव्य का सिद्धांत

आई.ए.रिचर्ड्स– मूल्य सिद्धांत, संप्रेषण सिद्धांत

X ~~एफ.आर.लीविस– साहित्य में नैतिक पक्ष के लिए संघर्ष, ईमानदारी और गम्भीरता~~

X ~~आधुनिकता, उत्तर-आधुनिकता और विखंडनवाद~~

X ~~मार्क्सवादी आलोचना~~

अनुशंसित ग्रंथ–

1. निर्मला जैन, कुसुम बांठिया– पाश्चात्य साहित्य चिंतन
2. गणेश त्र्यंबक देशपांडे– भारतीय साहित्यशास्त्र
3. बलदेव उपाध्याय– संस्कृत आलोचना
4. पी.वी. काणे– हिस्ट्री ऑफ संस्कृत पोएटिक्स, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
5. राकेश गुप्त– रस सिद्धांत

6. डॉ० नगेन्द्र– काव्यशास्त्र की भूमिका
7. राममूर्ति त्रिपाठी– भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षितिज
8. भगीरथ मिश्र– काव्यशास्त्र
9. भोलाशंकर व्यास– ध्वनि सम्प्रदाय और उसके सिद्धांत
10. राममूर्ति त्रिपाठी– भारतीय काव्य विमर्श
11. आचार्य चण्डिका प्रसाद शुक्ल– नव्यालोक
12. डॉ० नगेन्द्र– पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
13. सीमोन द बोउवार– स्त्री : उपेक्षिता, अनु० प्रभा खेतान, हिन्द पॉकेट बुक्स
14. जर्मेन ग्रीयर– विद्रोही स्त्री, अनु० मधु बी. जोशी राजकमल प्रकाशन
15. Rene Wellek - History of Modern Criticism 1750-1950.
16. Jonathan Culler- Structuralist Poetics : Structuralism, linguistics and the study of literature.

    - The Pursuit of Signs: Semiotics literation Deconstruction, Routledge ad Kegan
17. Terry Eagleton- Criticism and society in literary History

    - The ideology of Aesthetics, Oxford University Press, London.
18. Edward Said- The word, the text and critic Harward Uni. press.
19. Toril Moi - Sexual textual politics: Feminist literary theory.
20. रामचन्द्र शुक्ल – रस मीमांसा

    – चिंतामणि भाग–1 और 2
21. गोपीचन्द नारंग– संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र साहित्य अकादमी, दिल्ली
22. Mary Beth Rose- Gender and Heroism in Early Modern literature, University of Chicago Press.

♣♣♣♣♣

MHN 408 EC-1 (ह) वैकल्पिक प्रश्न-पत्र

क्रेडिट : 5

साहित्य का समाजशास्त्र और संस्कृतिमूलक अध्ययन

समाजशास्त्रीय दृष्टि से साहित्य के अध्ययन की परंपराएँ : पाश्चात्य और भारतीय

प्रमुख साहित्यिक समाजशास्त्री : हिप्पोलिट अडोल्फ तेन, लियो लोवेंथल, लुसिएं गोल्डमान और रेमंड विलियम्स

साहित्य के समाजशास्त्र की प्रमुख दृष्टियाँ– साहित्य में समाज की खोज, समाज में साहित्य और साहित्यकार की स्थिति, साहित्य और पाठक-समुदाय, लोकप्रिय साहित्य का समाजशास्त्र, साहित्य और जनचेतना के संबंध।

साहित्य के समाजशास्त्र की प्रमुख पद्धतियाँ– विधेयवाद, अनुभववाद, संरचनावाद और मार्क्सवाद

साहित्य का संस्कृतिमूलक अध्ययन : भारतीय अवधारणाएँ, धर्म और संस्कृति, जाति और संस्कृति

साहित्य के संस्कृतिमूलक अध्ययन की विभिन्न दृष्टियाँ– प्राच्यवादी दृष्टि, उत्तर औपनिवेशिक दृष्टियाँ

साहित्य के संस्कृतिमूलक अध्ययन की विभिन्न पद्धतियाँ– संरचनावाद (सस्यूर, लेवी-स्त्रास, रोलां बार्थ, अंबर्टो इको), उत्तरसंरचनावाद (देरिदा, लाकां, फूको)।

मार्क्सवाद (अल्थूसर, जॉन फिस्के, हैबरमास) एवं [illegible]

भूमंडलीकरण और मीडिया के दौर में संस्कृति के रूप और साहित्य

उपभोक्तावादी संस्कृति के विभिन्न रूप और साहित्य

अनुशंसित ग्रंथ–

1. मैनेजर पांडेय– साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका
2. निर्मला जैन (सं.)– साहित्य का समाजशास्त्रीय चिंतन
3. पूरनचंद जोशी– परिवर्तन और विकास के सांस्कृतिक आयाम
4. Escarpit Robert - Sociology of literature, London, 1963
5. Laurenson, Diana and Swingwood, alan hall- Sociology of literature
6. Alan Swingwood - The Novel of Revolution
7. Michel Zeraffa - Fictions : The Novel and Social reality
8. Raymond Williams - The Long Revolution

- Culture and Society

9. Leo lowenthal - literature and the image of man.

10. रामधारी सिंह दिनकर– संस्कृति के चार अध्याय

11. Louis Althuser - for Marx

12. Ajaz Ahmad- In theory

13. Leela Gandhi - Post Colonialism

14. Homi Bhabha (Ed.) Nation and Narration.

15. Meenakshi Gigi Durham and Douglas Kellner- Media and Cultural studies Keywords.

16. Pramod K. Nayyer - Literary theory today

17. Gumber to Eco- Towards a semiotic inquiry into T.V messages.

*****

पाठ्यक्रम EC1 (ख) वैकल्पिक प्रश्न-पत्र

दो प्रश्नोत्तर – 2×15=30
दो व्याख्याएँ 2×10=20
दो लघूत्तरी 2×5=10
दस वस्तुनिष्ठ–10×1=10
70

क्रेडिट : 4

किसी एक विकल्प का चयन करना होगा

(ख) कहानी

कथा, किस्सा और कहानी

लोक कथा और कहानी

शॉर्ट स्टोरी और कहानी

उर्दू कहानी और हिन्दी कहानी

कहानी का शिल्प परिदृश्य और हिन्दी कहानी

कहानी और कलानीति

प्रेमचंद पूर्व हिन्दी कहानी

प्रेमचंद और उनके समकालीन

प्रेमचंदोत्तर हिन्दी कहानी की प्रमुख प्रवृत्तियाँ– आंचलिक कहानी, नई कहानी, समान्तर कहानी, अकहानी

समकालीन कहानी

हिन्दी कहानी और दलित स्वर

हिन्दी कहानी और स्त्री स्वर

गाँव, शहर और कहानी

पाठ– बंग महिला (दुलाई वाली), किशोरीलाल गोस्वामी (इंदुमती), चन्द्रधर शर्मा गुलेरी (उसने कहा था), प्रेमचंद (कफ़न), जयशंकर प्रसाद (गुंडा), राजा राधिका रमण प्रसाद सिंह (कानों में कंगना), जैनेन्द्र (खेल), अज्ञेय (गैंग्रीन), यशपाल ([illegible]), फणीश्वरनाथ रेणु (ठेस), निर्मल वर्मा (परिंदे), अमरकांत (जिन्दगी और जोंक), मोहन राकेश ( ), भीष्म साहनी (चीफ की दावत), कृष्णा सोबती (मित्रो मरजानी), ज्ञानरंजन (पिता), शेखर जोशी (कोसी का घटवार), [illegible] ([illegible]), मन्नू भंडारी ( ), सृंजय (कामरेड का कोट), उदयप्रकाश (तिरिछ)

अनुमोदित ग्रंथ–

1. जैनेन्द्र कुमार– कहानी : अनुभव और शिल्प, पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली, 1967
2. नामवर सिंह– कहानी : नई कहानी, लोकभारती, इलाहाबाद
3. राजेन्द्र यादव– नई कहानी : संवेदना और स्वरूप, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

4. धनंजय (सं.) – समकालीन कहानी : दिशा और दृष्टि
5. देवीशंकर अवस्थी (सं.)– नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति, राजकमल दिल्ली, 1966
6. शिवप्रसाद सिंह– आज की हिन्दी कहानी, नवयुग प्रकाशन
7. मधुरेश – नई कहानी : पुनर्विचार, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
   – हिन्दी कहानी : अस्मिता की तलाश, आधार प्रकाशन
8. विश्वनाथ त्रिपाठी– कुछ कहानियाँ : कुछ विचार, राजकमल, दिल्ली
9. बलराज पाण्डेय– नई कहानी आंदोलन की भूमिका, आधुनिक प्रकाशन, इलाहाबाद
10. देवेश ठाकुर– हिन्दी की पहली कहानी, मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ
11. देवीशंकर अवस्थी– विवेक के रंग, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
12. नेमिचन्द्र जैन– अधूरे साक्षात्कार
13. नित्यानंद तिवारी– सृजनशीलता का संकट
14. रामदरश मिश्र– हिन्दी कहानी : एक अंतरंग पहचान
15. राजेन्द्र यादव– नई कहानी : प्रकृति और पाठ
16. कमलेश्वर – नई कहानी की भूमिका
17. निर्मल वर्मा– कला का जोखिम
18. मुक्तिबोध– एक साहित्यिक की डायरी

MAHSC-? हिंदी लोक-साहित्य

लोक की पृष्ठभूमि, एकांतकी, लोक मनोवैज्ञानिक व समाज शास्त्रीय आधार

हिंदी लोक साहित्य : अध्ययन और अनुसंधान की पद्धति– संकलन व संपादन

लोक-साहित्य का अध्ययन, विश्लेषण और मूल्यांकन

भारत में लोक साहित्य संबंधी अध्ययन और अनुसंधान

लोक संस्कृति के अंग और उसकी अभिव्यक्तियाँ– कला, साहित्य, संगीत, जीवन-दर्शन

लोकभाषा, परिनिष्ठित भाषा, काव्य भाषा की प्रकृति और स्वरूप, हिन्दी की ग्रामीण बोलियाँ और उनका साहित्यिक वैशिष्ट्य

लोकगीत, देवीगीत, जन्म संबंधी, संस्कार गीत, विवाह संबंधी, ऋतुगीत, मृत्यु संबंधी गीत, श्रम गीत

वाचिक रूप- कथा- लोकगाथा, लोक-आख्यान, पहेली, गाथा आदि

दृश्य- लोक नाट्य- रामलीला, रासलीला, भांड, नौटंकी, स्वांग, संगीत, बिदेसिया

पाठ- महेंद्र सिंह, भिखारी ठाकुर

अनुमोदित ग्रंथ–

1. पीयूष दहिया (सं) – लोक
2. पीयूष दहिया (सं) – लोक का आलोक
3. धीरेन्द्र वर्मा– लोक-साहित्य की भूमिका
4. डॉ. सत्येन्द्र – लोक –साहित्य विज्ञान
5. जगदीशचन्द्र माथुर– पारंपरिक लोक-नाट्य
6. श्याम परमार– भारतीय लोक-साहित्य
7. मनोहर शर्मा– लोक साहित्य की सांस्कृतिक परंपरा
8. डॉ. कुंदन लाल उप्रेती– लोक साहित्य के प्रतिमान
9. Zygmunt Bauman- culture as praxis
10. Amy Gazin Schwartz- Archaeology and folklore
11. Valdimir Propp- Theory and history of folklore
12. Donna Rosenberg- Folklore, Myths and legends
13. S.P.Pandey and Awadhesh kr. Singh- Folk culture in India.
14. Syed Abdul latif- An Outline of the cultural history of India.
15. Dr. P.C. Muraleemadhavan- Facets of Indian Culture
16. Krishna Murthy - Mirrors of India culture
17. Kapila Vatsyayan - Traditions of Indian folk dance
18. Richman - Many Ramayana.

आधुनिक हिन्दी-साहित्य

आधुनिक, आधुनिकता, आधुनिकीकरण, उत्तर आधुनिकता

लोक से जन का संक्रमण

सांस्कृतिक पूंजी, सांस्कृतिक संरक्षण

सांस्कृतिक उत्पादन, आधुनिक कला-रूप

गांव, शहर, समाज और साहित्य

औपनिवेशिक दौर और हिंदी भाषा आंदोलन, फोर्ट विलियम कॉलेज, हिंदी साहित्य सम्मेलन, नागरी प्रचारिणी सभा, हिन्दी की बहसें

भारतेन्दु मंडल, द्विवेदी युग, सरस्वती, छायावाद, हालावाद, नवजागरण विमर्श, दलित के विचार आंदोलन का प्रश्न, प्रगतिवाद

प्रगतिशील आंदोलन, मार्क्सवाद और प्रगतिशीलता के प्रश्न

उत्तर औपनिवेशिक हिन्दी साहित्य

सांस्कृतिक इकाई के रूप में भारत

बहुभाषिकता, बहुसांस्कृतिकता

भारतीय साहित्य की अवधारणा

साहित्य और विचारधारा, साहित्य की सृजन-प्रक्रिया में लेखक और पाठक की विचारधाराओं का द्वन्द्व, साहित्यिक कृतियों की व्याख्या और विचारधारा की समझ-

संदर्भ पाठ- भारतेन्दु (अंधेर नगरी), प्रेमचंद (रंगभूमि, गोदान), निराला (राम की शक्ति पूजा, कुकुरमुत्ता), हजारी प्रसाद द्विवेदी (बाणभट्ट की आत्मकथा), रेणु (मैला आँचल), श्रीलाल शुक्ल (राग दरबारी), मनोहरश्याम जोशी (कसप, कुरु-कुरु स्वाहा, हरिया, हरक्यूलीज की हैरानी) मैत्रेयी पुष्पा (इदन्नमम, अल्मा कबूतरी, चाक), अलका सरावगी (कलिकथा वाया बाइपास)

अनुशंसित ग्रंथ:-

1. रमेश कुंतल मेघ- आधुनिकता और आधुनिकीकरण
2. Anthony J.Cascardi - The subject of Modernity
3. Anthony Giddens- The constitution of Society

   - The consequences of modernity
4. M.Castells - The city and grassroots
5. रामविलास शर्मा – भारतेन्दु और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ
6. रामविलास शर्मा – महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण
7. डॉ० नगेन्द्र- भारतीय साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास

8. नित्यानंद तिवारी– आधुनिक साहित्य और इतिहास–बोध

9. रामधारी सिंह दिनकर– संस्कृति के चार अध्याय

10. वसुधा डालमिया– नेशनलाइजेशन ऑफ हिन्दू ट्रेडिशन: भारतेन्दु हरिश्चन्द्र एंड नाइनटींथ सेंचुरी बनारस

11. D.P.Mukerji- Modern Indian Culture: A sociological Study, Bombay, 1948.

12. Raymond Williams - Marxism and literature

13. Terry Eagleton- Criticism and Ideology

- Ideology: An Introduction.

HIN CC-N(S) [ग] आधुनिक हिन्दी नाटक एवं रंगमंच

आधुनिक हिन्दी रंगमंच

अंधेर नगरी – भारतेन्दु हरिश्चंद्र

स्कन्द गुप्त, लहरों के राजहंस: मोहन राकेश [illegible]

कबिरा खड़ा बाजार में – भीष्म साहनी

शकुन्तला की अँगूठी –

अन्धा युग– धर्मवीर भारती, किताब महल, इलाहाबाद

एकांकी संकलन– सं० डॉ० [illegible], प्रो० नरेन्द्र कुमार, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

अनुशंसित ग्रंथ–

1. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास – डॉ० दशरथ ओझा, राजपाल एंड संज़, दिल्ली।
2. प्रसाद के नाटक – सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना
3. हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्ष– गिरीश रस्तोगी, लोकभारती
4. मोहन राकेश और उनके नाटक– गिरीश रस्तोगी, लोकभारती
5. आधुनिक नाटक का अग्रदूत मोहन राकेश– गोविन्द चातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
6. नाट्यकार जयशंकर प्रसाद– सत्येन्द्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण
7. नाट्यकार भारतेन्दु की रंगपरिकल्पना– सत्येन्द्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण
8. नाट्यकार जगदीशचन्द्र माथुर– गोविन्द चातक, राधाकृष्ण
9. नाटक सिद्धान्त और प्रवृत्ति – डॉ० पूनम कुमारी – [illegible] प्रकाशन, नई दिल्ली

9. हिन्दी नाटक के पांच दशक– कुसुम खेमानी

10. हिन्दी एकांकी– सिद्धनाथ कुमार

11. रंगमंच का सौन्दर्यशास्त्र– देवेन्द्र राज अंकुर, राजकमल

12. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक – के.वी. नारायण कुरुप, लोकभारती।

13. हिन्दी नाटक– बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

14. समकालीन हिन्दी नाटक और रंगमंच– जयदेव तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।

15. एकांकीकार अश्क का रचना संसार– [illegible] प्रकाशन, मुजफ्फरपुर

16. हिन्दी समस्या नाटकों की शिल्प विधि– [illegible]

MHNSC-N (24) **(ग) प्रयोजन मूलक हिन्दी**

खण्ड–'क'

कार्यालयी हिन्दी

1. हिन्दी के विभिन्न रूप–सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, माध्यम भाषा इत्यादि।

2. राजभाषा के प्रमुख प्रकार्य– प्रारूपण, पत्रलेखन, टिप्पणी, संक्षेपण, पल्लवन।

3. पारिभाषिक शब्दावली– स्वरूप और महत्व, निर्माण के सिद्धांत।

खण्ड–'ख'

हिन्दी कम्प्यूटिंग

1. कम्प्यूटर : परिचय, उपयोग, वेब पब्लिशिंग।

2. इंटरनेट : सम्पर्क उपकरणों का परिचय, इंटरनेट एकाउंट्स (कि खोलें), लिंक, डाउनलोड, ई-मेल भेजना और प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट, पोर्टल सर्चिंग, अपलोडिंग, हिन्दी सॉफ्टवेयर पैकेज।

खण्ड–'ग'

अनुवाद

1. अनुवाद का स्वरूप, प्रकार, महत्व, आदर्श अनुवाद के अभिलक्षण।

2. पारिभाषिक शब्दावली के अनुवाद

खण्ड–'घ'

राजभाषा एवं जनसंचार

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी के क्षेत्र।
2. जनसंचार एवं सम्प्रेषण।
3. राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति।

अनुमोदित ग्रंथ:-

1. प्रयोजन मूलक हिन्दी– विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. प्रयोजन मूलक हिन्दी– दंगल झाल्टे
2a. प्रयोजन मूलक हिन्दी : सिद्धान्त एवं प्रयुक्ति, डॉ. विनोद कुमार सिंह, [illegible] पब्लिकेशन्स, दिल्ली
3. प्रयोजन मूलक हिन्दी और पत्रकारिता– डॉ. दिनेश प्रसाद सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. प्रयोजन मूलक हिन्दी की नयी भूमिका – कैलाशनाथ पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. प्रयोजन मूलक हिन्दी– डॉ. माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन
6. प्रयोजन मूलक हिन्दी– प्रो. रमेश जैन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस दिल्ली।
7. प्रयोजन मूलक हिन्दी– पी. लता, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
8. अनुवाद: सिद्धान्त एवं व्यवहार– डॉ. जयन्ती प्रसाद नौटियाल, राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
9. राजभाषा सहायिका– अवधेश मोहन गुप्त, [illegible] प्रकाशन, दिल्ली।

MSW EC-?-06 **(ख) वैकल्पिक पत्र**

1. क्या भूलूँ क्या याद करूँ– बच्चन, राजपाल एंड सन्स, दिल्ली
2. आवारा मसीहा– विष्णु प्रभाकर
3. पथ के साथी– महादेवी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. [illegible]– श्यामनन्दन किशोर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. [illegible] की धरती – डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली।
6. [illegible]– [illegible], [illegible] प्रकाशन, दिल्ली
7. निबन्ध– प्रस्तावित निबन्ध– [illegible], मजदूरी और प्रेम, कविता क्या है, अशोक के फूल, मेरे राम का मुकुट भीग रहा है, [illegible], मंदिर और कारखाना, गेहूँ और गुलाब, मैं [illegible] हूँ, [illegible] का [illegible]।

प्रताप नारायण मिश्र, सरदार पूर्ण सिंह, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. विद्यानिवास मिश्र, कुबेरनाथ राय, दिनकर, बेनीपुरी, आचार्य शिवपूजन सहाय, आचार्य [illegible] शर्मा, [illegible]

अनुमोदित ग्रंथ:-

1. [illegible] विचार– आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. साहित्यिक विचार : [illegible]– डॉ. बैजनाथ सिंहल, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
3. आत्मकथा की संस्कृति– पंकज चतुर्वेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. आत्मकथा और उपन्यास– [illegible], राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

*****